अधिकतम :18°C
न्यूनतम: 13°C
74,612.43
22,545.05
88,155
98,000
खबरें छुपाता नहीं, छापता है
शाह टाइम्स
देहरादून, शुक्रवार 28 फरवरी 2025 देहरादून संस्करण: वर्ष 24 अंक 208 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00
www.shahtimesnews.com
माघ फाल्गुन पक्ष 14 विक्रमी सम्वत् 2081 29 शाबान 1446 हिजरी
नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद,

अब परीक्षाफल पहले प्रोविजनल रूप में संस्थानों को भेजा जाएगा: यूटीयू

जिन छात्रों के परिणाम गलत आए, उनकी शिकायत पर तत्काल सुधार किया: परीक्षा नियंत्रक

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. वीके पटेल ने कहा कि हाल ही में कुछ अज्ञात लोगों की और से शिकायती पत्र लिखकर विवि की कार्यशैली पर सवाल उठाए जा रहे हैं। वे डिजिटल सिस्टम से जुड़ी गलत और भ्रामक बातें फैला रहे हैं।

विवि ने स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि विवि ने नवंबर 2022 से अपने शैक्षणिक और परीक्षा से जुड़े कामों को डिजिटल करने की प्रक्रिया शुरू की।

इसके लिए 'यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल' बनाया गया, जिससे प्रवेश, पंजीकरण, उपस्थिति, परीक्षा आवेदन, ऑनस्क्रीन मूल्यांकन और परीक्षाफल निर्माण जैसी सुविधाएं ऑनलाइन हो सकें। पहले विवि में कोई एकीकृत डिजिटल सिस्टम नहीं था। अलग-अलग सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर परीक्षाफल तैयार किए जाते थे। पुराने डेटा को नए सिस्टम में ट्रांसफर करने में समय लगना स्वाभाविक था, जिससे कुछ छात्रों के रिजल्ट में गड़बड़ियां हुईं।

जिन छात्रों के परिणाम गलत आए, उनकी शिकायत पर तत्काल सुधार किया गया। विवि अब 100 प्रतिशत पारदर्शिता लाने के लिए छात्रों को उनकी उत्तर पुस्तिकाएँ ऑनलाइन दिखा रहा है।

अब परीक्षाफल पहले प्रोविजनल रूप में संस्थानों को भेजा जाएगा, ताकि वे अपने डेटाबेस से मिलान कर इसकी पुष्टि कर सकें। बैक पेपर की जानकारी अब मार्कशीट में समग्रता से दिखाई जाएगी। डॉ. वीके पटेल ने कहा कि विवि पूरी कोशिश कर रहा है कि परीक्षा प्रणाली पूरी तरह पारदर्शी और त्रुटिरहित हो।